# विकसित भारत के सपने को साकार करना होगा: सुबोध

**■ यूटीयू में महिला छात्रावास का हुआ भूमि पूजन**
**टेक्नोलॉजी के गलत प्रयोग को कैसे रोका जाए इस पर काम करने की जरूरत: तकनीकी शिक्षा मंत्री**

शाह टाइम्स संवाददाता

**देहरादून।** उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सुद्धोवाला स्थित वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के ऑडिटोरियम में विश्वविद्यालय की और से भारत को आत्मनिर्भर, स्वस्थ और समृद्ध वैश्विक लीडर के रूप में विकसित बनाने के लिए विकसित भारत विषय पर सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन का उदघाटन तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने किया। विभागी मंत्री ने यूटीयू परिसर में 10 करोड़ की लागत से 124 क्षमता वाले महिला छात्रावास, टाईप-3 के चार आवासों के भवन निर्माण का भूमि पूजन किया। विभागीय मंत्री ने पूर्व से निर्माणाधीन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक भवन को 27 जनवरी, 2025 से पूर्व तैयार किये जाने के भी निर्देश कार्यदायी संस्था को दिये।

तकनीकी शिक्षा मंत्री ने छात्रों का आह्वान किया कि विकसित भारत 2047 के सपनों को पूरा करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। टेक्नोलॉजी का सही दिशा में इस्तेमाल हो और टेक्नोलॉजी के गलत प्रयोग को कैसे रोका जाय इस पर काम करने की जरूरत है।

इस मौके पर कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की और से आयोजित इस सम्मेलन के निश्चित रूप से भविष्य में सुखद परिणाम निकलेंगे। कुलपति ने कहा कि आज परिसर में महिला छात्रावास और टाईप-3 के आवासों के निर्माण कार्यों की शुरूआत के साथ ही विश्वविद्यालय अपने आवासीय स्वरूप में भी परिवर्तित होगा जिससे विश्वविद्यालय के अकादमिक स्तर में और सुधार देखने को भविष्य में मिलेगा।

सुधा राधी पाण्डे पूर्व कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले डॉ. बीकेएस संजय (पदमश्री), भारतीय सेना में अहम भूमिका निभाने वाले भारतीय सैन्य अकादमी देहरादन के पूर्व कमाण्डेंट लेफ्टिनेट जनरल (सेवानिवृत्त) जेएस नेगी व न्यायिक सेवा में अपना योगदान देने वाले इलाहबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस महबूब अली, स्पेंडम ईसीजी ऑफ सनफॉक्स टेक्नोलॉजी के संस्थपक रजत जैन ने अपने-अपने क्षेत्रों में हासिल विशेषज्ञता पर सम्मेलन में विचार रखे।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सत्येन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनय कुमार पटेल, डॉ. मनोज कुमार पाण्डा परिसर निदेशक महिला प्रौद्योगिकी संस्थान व शिक्षक, छात्र और कर्मचारियों उपस्थित रहें।